निर्देश 15-16 फरवरी को होगा टेस्ट, गैरहाजिर छात्रों के लिए 17 को फिर से होगा टेस्ट

एमपी करियर एप से छात्र चुनेंगे अपनी मंजिल

भास्कर संवाददाता। श्योपुर

ग्यारहवीं में पहुंचने वाले या अपने करियर का व्यावसायिक मार्ग चुनने के लिए स्कूली शिक्षा विभाग ने एमपी कॅरियर एप के जरिए छात्रों की अभिरूचि जानेगा। इसके लिए विभागीय स्तर पर हाईस्कूल के सभी छात्रों का 15-16 फरवरी को टेस्ट लिया जाएगा। गैरहाजिर छात्रों का टेस्ट 17 फरवरी को लेना तय किया है।

स्कूली शिक्षा विभाग ने यह परिपत्र सभी प्राचार्यों को जारी कर दिया है। इसमें साफ कहा गया है कि एप डाउनलोड करने की सारी प्रक्रिया एंड्रॉयड फोन से की जाएगी। इसे सिर्फ स्कूल के शिक्षक ही करेंगे। लॉगिन करना एवं पासवर्ड फीड करने से पूरा काम स्कूल के शिक्षकों का है। किसी भी छात्र को पासवर्ड भी नहीं बताया जाएगा।

सही करियर चुनने में मदद मिलेगी

डीईओ अजय कटियार ने बताया कि बच्चों के विषय चयन की समस्या को आसान बनाने के लिए प्रयास किया जा रहा है। बच्चों की रुचि जानने की इस कोशिश को बेहतर परिणाम मिलेंगे। करियर को लेकर समस्या का भी समाधान होगा।

जिले में दसवीं के विद्यार्थियों की संख्या सात हजार, इन्हें मिलेगा टेस्ट का लाभ : शिक्षा विभाग के निर्देश के अनुसार तीन चरणों में होने वाले टेस्ट में सबसे पहले इंट्रेस्ट टेस्ट होगा। इसमें वर्दी धारी सेवाएं कृषि कला ललित कला आरोग्य एवं जैविक वाणिज्य एवं तकनीकी क्षेत्र से जुड़े 140 प्रश्न होंगे। यह प्रश्न मनोवैज्ञानिकों द्वारा बनाए गए हैं। इनके आधार पर बच्चे की रुचि का पता लगाया जाएगा। इसके बाद दो चरण होंगे। जो विद्यार्थियों की वार्षिक परीक्षा के बाद होंगे।

टेस्ट से तय होगा विषय कौन सा चुनें

इसी समस्या के निदान के लिए मप्र माध्यमिक शिक्षा अभियान समित लोक शिक्षण संचालनालय ने प्रदेशभर के प्राचार्यों को बच्चों का अभिरुचि टेस्ट लेने के निर्देश दिए हैं। टेस्ट मोबाइल एप डाउन लोड करवाकर लिया जाएगा। विद्यार्थी की ऑनलाइन परीक्षा होगी। इसमें चुनिंदा सात फील्ड के प्रश्न होंगे। इसके बाद तय होगा कि छात्र कौन सा विषय चुनें।

दसवीं के बाद अभी यह हो रहा है बच्चों का हाल

- बच्चे विषय का चुनाव या तो माता.पिता की मर्जी से करते हैं या सहपाठियों को देखकर करते हैं।
- इससे विषय में उनकी रुचि नहीं होती, वे आगे चलकर ज्यादातर असफल ही होते हैं।
- ऐसे में वे निराश होकर पढ़ाई के अधबीच में अपना विषय बदल लेते हैं।
- दबाव के कारण उनकी पढ़ाई के प्रति इच्छा शक्ति खत्म होती है।
- उनके दिशाहीन होने की आशंका बढ़ जाती है।

योजना • 10वीं में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की शिक्षा विभाग करेगा कॅरियर काउंसलिंग

6 लाख स्टूडेंट का संवरेगा भविष्य

सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले 6 लाख स्टूडेंट की कॅरियर काउंसलिंग होगी। शिक्षा विभाग 10वीं कक्षा के इन विद्यार्थियों का इंटरेस्ट टेस्ट भी लेगा। विभिन्न विषयों में स्टूडेंट की रुचि जानी जाएगी। इससे उन्हें पसंदीदा क्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी और वे अपना भविष्य संवार पाएंगे।

इंदौर • डीबी स्टार

दसवीं के छात्र-छात्राओं को आगे की पढ़ाई के लिए सरकार मार्गदर्शन देगी। इसके तहत शिक्षा विभाग छात्रों का इंटरेस्ट टेस्ट कराएगा। पुणे के श्यामची आई फाउंडेशन से 3 वर्ष का एमओयू किया है। मुख्यमंत्री ने पसंदीदा विषय चयन के लिए हर साल एक लाख स्टूडेंट के एप्टीट्यूड टेस्ट की घोषणा की थी। इसी के मद्देनजर शिक्षा विभाग ने कार्यक्रम तैयार किया है। इसके लिए मोबाइल एप तैयार किया जा रहा है। साथ ही एमपी कॅरियर पोर्टल भी बनाया जाएगा।

DB STAR EXCLUSIVE

एप्टीट्यूड टेस्ट के लिए मोबाइल एप भी बनाएंगे, लेंगे इंटरेस्ट टेस्ट

पुणे के श्यामची आई फाउंडेशन से 3 वर्ष का किया एमओयू

योजना का क्या होगा असर

इंटरेस्ट टेस्ट से स्टूडेंट के मन में कॅरियर को लेकर चल रही तमाम तरह की शंकाओं और जिज्ञासाओं का समाधान हो सकेगा। इससे उनकी विषयवार रूचि खुलकर सामने आएगी। स्टूडेंट को 10वीं क्लास में ही यह पता चल जाएगा कि वह किस क्षेत्र में बेहतर कर सकता है। वह अपने भीतर मौजूद क्षमता के अनुरूप कॅरियर की दिशा तय पाएगा। स्टूडेंट अब कला, विज्ञान, नृत्य, संगीत, खेल और पेंटिंग जैसे विषयों में अपनी योग्यता को पहचान सकेंगे। एप्टीट्यूड टेस्ट के जरिए यह पता चल सकेगा कि स्टूडेंट को हायर एजुकेशन में किस विषय पर फोकस करना है।

फरवरी से होगी शुरूआत

वर्ष 2018 के कार्यक्रम के अनुसार 10वीं के 6 लाख छात्रों का फरवरी में इंटरेस्ट टेस्ट होगा, जिसका परिणाम अप्रैल में आएगा। 2 अप्रैल को एमपी कॅरियर मित्र पोर्टल लांच होगा। इसी दिन छात्रों का एप्टीट्यूड टेस्ट भी होगा। इसके नतीजे जून में आएंगे। फिर छात्रों की काउंसलिंग होगी। काउंसलिंग देने वाले शिक्षकों को मई-जून में ट्रेनिंग दी जाएगी। जून माह से ही छात्रों की काउंसिलिंग और पैरेंट मीटिंग होगी।

भटकाव से बच जाएंगे स्टूडेंट

एप्टीट्यूड टेस्ट और कॅरियर काउंसलिंग से स्टूडेंट 10वीं क्लास में ही यह जान जाएंगे कि उनका भविष्य किस दिशा में संवर सकता है। इससे वे भटकाव से बच जाएंगे। शासन की मंशा यही है कि युवा सही दिशा में अपनी एनर्जी लगाए ताकि उन्हें बेहतर परिणाम मिल सकें। किसी स्टूडेंट की खेल में रुचि है तो केंद्र सरकार चयनित होने पर 5 लाख रुपए दे रही है ताकि वह खेलों में अपना कॅरियर बना सके।

जेके शर्मा, संयुक्त संचालक, स्कूल शिक्षा विभाग

मॉडल स्कूलों के लिए 15 तक करें आवेदन

भोपाल। जिला स्तरीय उत्कृष्ट विद्यालय एवं विकासखंड स्तरीय मॉडल स्कूलों में कक्षा 9 में शैक्षणिक सत्र 2018–19 के लिए प्रवेश पाने चयन परीक्षा होगी। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन 15 फरवरी तक भरे जा सकते हैं। परीक्षा 4 मार्च को होगी। आवेदक को 100 रुपए कियोस्क पर देना होगा, जिसमें कियोस्क शुल्क भी शामिल है। इसके अतिरिक्त अन्य कोई भी राशि नहीं देनी होगी। परीक्षा में शामिल होने ऐसे विद्यार्थी जो आठवी कक्षा में अध्ययनरत हैं, वे इस परीक्षा के लिए पात्र होंगे।

10वीं 12वीं के प्रवेश पत्र में 28 फरवरी तक कर सकेंगे सुधार

भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा जारी किए गए 10वीं और 12वीं के प्रवेश पत्र

में यदि किसी प्रकार की गलती है तो उसमें सुधार किया जा सकेगा। इसमें छात्र अपना नाम, माता-पिता के नाम की स्पेलिंग, सरनेम व जन्म तिथि में यदि किसी प्रकार की गलती है तो उसे दुरुस्त कर सकते हैं। छात्र अपनी संस्था के प्रचार्य के माध्यम से 28 फरवरी तक यह ऑनलाइन संसोधन कर सकेंगे।